सागर, मध्यप्रदेश राज्य का संभाग मुख्यालय है, जो रेल व सड़क मार्ग से भली भाँति जुड़ा है। सागर रेलवे स्टेशन बीना – कटनी मार्ग पर स्थित है,। यह बीना से 75 कि.मी. एवं भोपाल से लगभग 200 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यह सड़क मार्ग से भी भोपाल, जबलपुर, बीना और खजुराहो से जुड़ा है। निकटतम हवाई अड्डा भोपाल, जबलपुर और खजुराहो हैं। यहाँ से लगभग सागर की दूरी लगभग 200 कि.मी. है।

सम्पर्क सूत्र–

प्रो. नागेश दुबे
संगोष्ठी निदेशक एवं विभागाध्यक्ष
09406519753

डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह
संयोजक
09479983878

डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव
आयोजन सचिव
08989713473

डॉ. सुल्तान सलाहुद्दीन
आयोजन सहसचिव
09450194671

नोट :–

1. समस्त विद्वतजनों एवं शोधार्थियों से आग्रह है, कि वे अपना शोधपत्र हिन्दी अथवा अंग्रेजी में तैयार करें। हिन्दी के शोधपत्र Kruti Dev 10, Font 14 तथा अंग्रेजी के शोधपत्र Times New Roman, Font 12 में तैयार करके इस ई–मेल **aihseminar22@gmail.com** पर MS Word + PDF file में भेजें।

   शोध सारांश भेजने की अन्तिम तिथि– **दिनाँक 30 जनवरी, 2022**

   पूर्ण शोधपत्र भेजने की अन्तिम तिथि– **दिनाँक 10 फरवरी, 2022**

2. पंजीकृत बाह्य प्रतिभागियों के भोजन एवं आवास की व्यवस्था की जायेगी।

पंजीयन राशि

शिक्षक – रू. 1200/–

शोधार्थी– रू. 800/–

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय संगोष्ठी

बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक विरासत

17–18 फरवरी, 2022

आयोजक

प्राचीन भारतीय इतिहास,संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
डॉ0 हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म0प्र0)

प्रायोजक

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, (ICSSR)
नई दिल्ली, भारत सरकार

संरक्षक
प्रो. नीलिमा गुप्ता
(कुलपति)

सह संरक्षक
प्रो. ए. डी. शर्मा
(अधिष्ठाता)

निदेशक
प्रो. नागेश दुबे
(विभागाध्यक्ष)

संयोजक

डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह
सहा. प्राध्यापक

आयोजन सचिव

डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव
सहा. प्राध्यापक

आयोजन सहसचिव

डॉ. सुल्तान सलाहुद्दीन
शोध सहायक

परामर्शदात्री समिति

प्रो. एच. थॉमस,
निदेशक, शोध एवं विकास
प्रो. बी. आई. गुरू,
अधिष्ठाता, भाषा अध्ययनशाला
प्रो. बी. के. श्रीवास्तव,
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
प्रो. ए. पी. त्रिपाठी,
विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग
प्रो. गिरीश मोहन दुबे,
अर्थशास्त्र विभाग
प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत,
समाजशास्त्र विभाग
प्रो. अशोक अहिरवार,
इतिहास विभाग
प्रो. चन्दा बेन,
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
प्रो. अनुपमा कौशिक,
विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग
डॉ. ललित मोहन,
उत्कृष्ट कला और प्रदर्शन कला विभाग
प्रो. सरोज गुप्ता,
शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सागर

कार्यकारणी सदस्य

डॉ. शिव कुमार पारोचे,
अतिथि शिक्षक
डॉ. मशकूर अहमद कादरी,
अतिथि शिक्षक

सदस्य गण

डॉ. गोविन्द सिंह दांगी,
सर हरीसिंह गौर महाविद्यालय, सागर
श्री अशोक कुमार यादव,
शोध छात्र
कु. मनीषा तिवारी,
शोध छात्रा
कु. यामिनी योगी,
शोध छात्रा
श्री कीरत अहिरवार,
शोध छात्र

डॉ. उत्सव आनंद,
विभागाध्यक्ष, अर्थशात्र विभाग
डॉ. शशि कुमार सिंह,
संस्कृत विभाग
डॉ. संजय बरोलिया,
इतिहास विभाग
डॉ. पंकज सिंह,
इतिहास विभाग
डॉ. प्रीति बागड़े
इतिहास विभाग
डॉ. राकेश सोनी
उत्कृष्ट कला और प्रदर्शन कला विभाग

बुन्देलखण्ड स्वयं में ऐतिहासिक वैभव एवं गौरवपूर्ण संस्कृति को समाविष्ट किए हुए है। बुन्देलखण्ड के राजनीतिक इतिहास पर तो शोधपरक कार्य सम्पन्न हुए हैं, परन्तु सांस्कृतिक इतिहास के अनेक पक्षों का उद्घाटन होना अभी भी शेष है। आज भी बुन्देलखण्ड की गौरवमयी सांस्कृतिक विरासत से सम्बन्धित अनेक महत्वपूर्ण प्रसंग अछूते हैं। बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक विरासत के इन अछूते; किन्तु महत्वपूर्ण पक्षों को प्रकाश में लाने के उद्देश्य से ही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें निम्नलिखित उपशीर्षकों के अंतर्गत विद्वत्जनों तथा शोधार्थियों के शोधपत्र आमंत्रित किए जाते हैं:–

उप–शीर्षक

1. बुन्देलखण्ड का पुरावैभव
2. बुन्देलखण्ड की शैल चित्रकला एवं मूर्तिकला
3. बुन्देलखण्ड की लोक संस्कृति के विविध पक्ष
4. बुन्देलखण्ड का स्थापत्य शिल्प (मंदिर, मठ, दुर्ग एवं गढ़ी)
5. बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक साहित्य परम्परा
6. बुन्देलखण्ड के संग्रहालय
7. बुन्देलखण्ड के लोकोत्सव एवं मेले
8. बुन्देलखण्ड की लोक कला एवं लोक परम्परा
9. बुन्देलखण्ड के लोक नृत्य
10. बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक विरासत से सम्बन्धित दर्शनीय स्थल
11. बुन्देलखण्ड की जनजातीय सांस्कृतिक विरासतें
12. बुन्देलखण्ड की परम्परागत हस्तकलाएँ
13. बुन्देलखण्ड के लोक गीत एवं लोक गीतों में स्वतंत्रता संग्राम
14. बुन्देलखण्ड की लोक गाथाएँ
15. भारत की सांस्कृतिक विरासत और बुन्देलखण्ड
16. बुन्देलखण्ड से सम्बन्धित अन्य विविध पक्ष